Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding issues related to Anganwadi workers in NCT of Delhi.

*mo1

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से आंगनवाड़ी में काम करने वाली बहन जो कि सेवा भाव से काम करती हैं, उनकी एक समस्या की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं चूँकि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के प्रति भारतवासियों का इमोशनल झुकाव रहता है। हमने भारत के भ भाग को भी माँ माना है तथा हमारे यहां दैवीय शक्ति के रूप में देवताओं से पूर्व महिला शक्ति को सर्वोप माना है। नवरात्रों के इस पर्व के वक्त भी हम शक्ति दायिनी माँ भगवती को ही मानते हैं, जो अधर्मी लोगों व विनाश करती है, लेकिन वहीं दिल्ली का मुख्य मंत्री खुद पीड़ित बनकर रेडियो और टेलीविजन पर अपने .. को ढकने का प्रयास करता है तथा लोकतंत्र में 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' के समर्थन में कहता है कि यह आदम का फंडामेंटल राइट है और वह अपनी बातें रख सकता है। शाहीन बाग, गाजीपुर बॉर्डर तथा सिंधु बॉर्डर प सड़क रोकने वाले लोगों को भोजन परोसा जा रहा था और इसके लिए वह कहता है कि यह उनका अधिक है। वहीं दूसरी तरफ इस प्रकार के कसीदे पढ़ने वाले मुख्य मंत्री द्वारा दिल्ली में लगभग 10 हजार आंगनवाड़ कर्मचारी बहनों को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि उन्होंने शांतिपूर्वक अपनी कुछ जाय मांगों के लिए दिल्ली के मुख्य मंत्री के घर धरना दिया था। जो बहनें मामूली से मेहनताने पर गरीब परिवा की गर्भवती महिलाओं के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करती हैं तथा वे उन्हें कुपोषण जैसी बीमा से बचाने के उपायों के साथ-साथ केन्द्र व राज्य सरकार की गरीब हितैषी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचा का काम करती हैं और अपना सम्पूर्ण जीवन सेवा में लगाती हैं। मेरी दिल्ली सरकार से प्रार्थना है कि जिन 1 हजार बहनों को सस्पेंड किया गया है, वे केवल अपनी बात रखने के लिए धरने पर बैठी थीं, इसलिए उनके साथ न्याय किया जाए। मैं आपके माध्यम से यह बात सदन में रखना चाहता हूँ। धन्यवाद।